

संपादकीय

आतंकवाद की आहट

पंजाब में सिखों के प्रमुख धार्मिक शहर अमृतसर से करीब दस किलोमीटर दूर एक गांव में स्थित निरंकारी भवन पर हुए हमले ने चिंता बढ़ा दी है। इस घटना में तीन लोग मारे गए हैं और कम से कम 19 घायल हुए हैं। पिछले हफ्ते ही पंजाब पुलिस ने पाकिस्तानी मूल के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 6-7 सदस्यों के प्रदेश में दखिल होने की अफवाह के बाद अलर्ट जारी किया था और प्रदेश भर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। पंजाब में पिछले कुछ समय से आतंकी संगठनों के फिर से सिर उठाने के संकेत मिल रहे हैं। वहां अस्सी के दशक में खालिस्तानियों ने ठीक इसी तरह निरंकारियों पर हमले के साथ अपना हिंसक अभियान शुरू किया था और फिर ज्यादातर प्रवासी मजदूरों को अपना निशाना बनाया था। असल में वे सबसे कमजोर तबकों पर हमले के जरिए प्रशासन का रुख भांपने की कोशिश करते हैं।

सचाई यह है कि ऑपरेशन ब्लू स्टार और उसके बाद लंबे समय तक चली पुलिस कार्रवाई से खालिस्तान समर्थकों की रीढ़ भले ही टूट गई हो पर वे पूरी तरह खत्म नहीं किए जा सके हैं। पंजाब की राजनीति में उनकी मौजूदगी किसी न किसी रूप में लगातार बनी रही और कुछ मामलों में उन्होंने अपना अजेंडा भी लागू कराया। अभी वे देश-विदेश में फिर से संगठित हो रहे हैं और उन्हें अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों का सहयोग भी मिल रहा है। खुफिया एजेंसियों को सूचना मिली है कि बीते 4 नवंबर को आईएसआई चीफ आसिम मुनीर ने कई खालिस्तानी आतंकीयों के साथ मीटिंग की और कहा गया कि वे 'सिख फॉर जस्टिस' को पूरा सहयोग करें। यह संगठन 2020 में खालिस्तान के लिए जनमत संग्रह कराने की जुगत में है और इनके विदेशों में इसके लिए रैलियां भी की हैं। खालिस्तान आंदोलन को दोबारा जिंदा करने के लिए ग्लोबल स्तर पर फंड इकट्ठा हो रहा है।

असल में पंजाब के कई राजनेता अपने तात्कालिक लाभ के लिए कट्टरपंथियों की मांगों के आगे घुटने टेकते आ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के दोषी रजोआना और दिल्ली बम धमाके के दोषी भुल्लर को फांसी न देने के लिए अकाली सरकार ने जिस तरह पंजाब विधानसभा में प्रस्ताव पारित कराया, उससे खालिस्तानियों को नई ताकत मिली। फिर अभी कांग्रेस की सरकार ने भी ईश निंदा कानून पास करके उर्ध्वी तत्वों को संतुष्ट करने की कोशिश की। नतीजा सामने है। कश्मीरी आतंकी संगठनों के सदस्यों का पंजाब आना-जाना लगा ही हुआ है। पंजाब में पिछले महीनों में दो आतंकी मॉड्यूल तोड़े गए हैं लेकिन अभी एक दर्जन और मॉड्यूल होने की आशंका जताई जा रही है। पंजाब पुलिस अपनी मुस्तेदी से राज्य में आतंकवाद को फिर से पैर जमाने से रोक सकती है, लेकिन यह तभी संभव है, जब पंजाबी राजनीति के तीनों प्रमुख थड़े कांग्रेस, अकाली दल और आम आदमी पार्टी इस मामले में सहमति बनाकर चलें।

पूँजी पर राहत से सरकार को 14000 करोड़ का फायदा!

मुंबई (आरएनएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बोर्ड ने सोमवार को बेसल 3 रूल्स पर अमल के लिए बैंकों को एक साल की मोहलत दी थी, उससे उन्हें 14 हजार करोड़ तक का बनेफिट हो सकता है। इसमें से ज्यादा पैसा सरकार की जेब से जाना था। इसलिए इस ढील का सबसे ज्यादा लाभ भी उसे ही होगा।

ब्रोकरेज फर्म जेफरीज के अनुमान के मुताबिक, अगर सितंबर तिमाही के कॉमन इंचिटी टियर 1 रेशियो और रिस्क वेटेड एसेट्स को ध्यान में रखें, तो इससे बैंकों में 13,390 करोड़ रुपये कम लगाने होंगे। आरबीआई बोर्ड ने कैपिटल कंजर्वेशन बफर (सीसीबी) को 1.875 से



बढ़ाकर 2.5 पैसे करने की डेडलाइन बढ़ाकर मार्च 2020 कर दी, जो पहले मार्च 2019 थी। यह कदम इसलिए उठाया गया, ताकि बैंक इस पैसे का इस्तेमाल करज बांटने के लिए कर सकें। ऐसे

में मार्च 2019 तक के लिए सीईटी 1 (कॉमन इंचिटी टियर) रिचियरमेंट 7.375 पैसेट होगा। इससे उन 10 बैंकों को राहत मिलेगी, जो इंचिटी कैपिटल रेशियो के मामले में पीछे छूट गए थे। इससे उनका जो रिजर्व फ्री होगा, वह बैंकिंग सिस्टम में आएगा।

7.35 पैसेट कॉमन इंचिटी टियर 1 रिचियरमेंट के लिहाज से ऑरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स, इंडियन ओवरसीज बैंक, आंध्रा बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया, आईडीबीआई बैंक को 21,420 करोड़ रुपये की जरूरत पड़ेगी, जबकि 8 पैसेट कैपिटल रिचियरमेंट के लिए उन्हें 34,800 करोड़

की जरूरत पड़ेगी। 19 नवंबर को 9 घंटे चली आरबीआई की बोर्ड मीटिंग में यह फैसला लिया गया। इससे पहले एक महीने से आरबीआई और सरकार के बीच कई मुद्दों को लेकर तकरार चल रही थी। इसमें फाइनेंशियल सिस्टम में केश की कमी और एमएसएमई लोन रिस्ट्रिक्चरिंग जैसे मसले भी शामिल थे।

जेफरीज ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में बताया 'इससे सरकार का बोझ कम होगा। हालांकि, अगर वह पब्लिक सेक्टर के बैंकों की बैलेंस शीट ग्रोथ चाहती है तो उसे उन्हें फंड देना होगा।' सरकार और आरबीआई के बीच एमएसएमई सेक्टर की सुस्ती को लेकर भी बहस हो रही थी।

पैन कार्ड बनवाने के नियमों में बड़ा बदलाव, अब पिता के नाम की अनिवार्यता समाप्त

नई दिल्ली (आरएनएस)। पैन कार्ड बनवाने के नियमों में बड़ा बदलाव आया है। अब पिता के नाम की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है।

पैन कार्ड बनवाने के नियमों में बड़ा बदलाव आया है। अब पिता के नाम की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है।

माता-पिता में अकेले मां का ही नाम है। ऐसे में वह व्यक्ति पैन कार्ड पर सिर्फ मां का ही नाम चाहता है, अलग हो चुके पिता का नहीं।

इस अधिसूचना के जरिये एक वित्त वर्ष में 2.5 लाख रुपये से अधिक का वित्तीय लेनदेन करने वाली इकाइयों के लिए पैन कार्ड के लिए आवेदन करने को अनिवार्य कर दिया गया है। इसके लिए आवेदन ऑनलाइन वर्ष के लिए 31 मई या उससे पहले करना होगा।

ब्रिस्बेन टी-20 : भारत ने टॉस जीता, गेंदबाजी का फैसला

ब्रिस्बेन (आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने यहां द गार्बा स्टेडियम में जारी पहले टी-20 मैच में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। पिछली बार भारत ने 2016 में आस्ट्रेलिया में मेजबान टीम के खिलाफ टी-20 सीरीज खेली थी और 3-0 से जीत हासिल की थी। भारतीय गेंदबाज जसप्रीत



बुमराह को टी-20 क्रिकेट में 50 विकेटों की उपलब्धि हासिल करने के लिए केवल चार और विकेटों की दरकार है। अगर वह ऐसा करने में सफल

होते हैं, तो वह सबसे तेजी से 50 विकेट हासिल करने वाले विश्व के सातवें और भारत के दूसरे गेंदबाज बन जाएंगे।

भारतीय टीम : विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, शिखर धवन, लोकेश राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक, करुणाल पांड्या, कुलदीप यादव, भुवनेश्वर कुमार, जसप्रीत बुमराह और खलील अहमद।

कार्तिक पूर्णिमा के दिन दान, होता है अनंत पुण्यदायी



कार्तिक पूर्णिमा को विशेष पुण्यफल प्राप्ति के लिए करें इन चीजों का दान-

(1) इस दिन गौ दान करने का खास महत्व माना जाता है, कहा जाता है कि गौ दान का अनंत पुण्यदायी फल प्राप्त होता है। (2) कार्तिक पूर्णिमा पर चन्द्रमा के उदय होने के पश्चात खीर में मिश्री व गंगा जल मिलाकर मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु को भोग लगाएं। (3) कार्तिक पूर्णिमा के दिन गरीबों को चावल दान करना बहुत फलदायक माना जाता है, चावल को चंद्रमा का कारक माना जाता है इसी वजह से इस दिन चावल दान करने से चंद्र ग्रह से शुभ फल की प्राप्ति होती है। (4) कार्तिक पूर्णिमा के दिन पत्नी, बच्ची, माता, पिता को उपहार भेंट करें, इससे चंद्रमा की स्थिति ठीक होती है। (5) इस दिन अपने घर के मुख्य द्वार पर आम के पत्तों का तोरण जरूर बांधें, इससे घर में फौली नकारात्मकता शक्तियां दूर होती हैं।

रिलायंस ने गैस बिक्री में किया शर्तों का उल्लंघन

नई दिल्ली (आरएनएस)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने पूरा प्रॉडक्शन खुद को बेचकर कोल बेड मोथन (सीबीएम) पर कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों और नीतियों का उल्लंघन किया। एक आधिकारिक जांच रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। इससे कंपनी की सैकड़ों करोड़ डॉलर की गैस बेचने की डील रद्द हो सकती है। रिलायंस ने मध्य प्रदेश की माइंस से पिछले साल सीबीएम का कमर्शियल प्रॉडक्शन शुरू किया था।



उसने इससे मिलने वाली गैस बेचने के लिए एक के बाद एक तीन ऑक्शंस किए। इनमें से पहली दो नीलामी कम अवधि और सितंबर 2017 में हुई तीसरी नीलामी मार्च 2021 तक पैदा होने गैस की बिक्री के लिए हुई

थी। तीनों ही नीलामी में रिलायंस ने सबसे ऊंची बोली लगाई थी। कंपनी पहले इस मामले में कह चुकी है कि इससे सरकार की आमदनी बढ़ेगी। डीजीएच ने नीलामियों को बताया गलत डायरेक्टर जनरल ऑफ हाइड्रोकार्बन्स (डीजीएच) ने पिछले साल हुई इन नीलामियों को गलत बताया था। उसने कहा था कि इनमें दूसरे बिडर्स के साथ रिलायंस खुद शामिल हुई थी। उसने इस मामले में सीबीएम

पॉलिसी का पालन नहीं किया, जिसमें किसी सहयोगी को गैस बेचने की मनाही है, क्योंकि इससे हितों का टकराव होता है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने डीजीएच की रिपोर्ट के बाद पेट्रोलियम मिनिस्ट्री ने इस मामले की जांच की। इसमें अधिकारियों ने पॉलिसी की शर्तों पर महीनों तक बहस की। कानून मंत्रालय की राय मांगी गई और रिलायंस इंडस्ट्रीज का पक्ष भी सुना गया।

इस सप्ताह तीन दिन बैंकों में छुट्टी, समय पर निपट लें काम

नई दिल्ली (आरएनएस)। इस हफ्ते गुरु नानक जयंती, और ईद-ए-मिल्लाद की वजह से बैंकों में अवकाश रहेगा। बुधवार यानी 21 नवंबर को ईद-ए-मिल्लाद की छुट्टी है और 23 तारीख को गुरु नानक जयंती है। इसके बाद 24 तारीख को महीने का चौथा सोमवार होने की वजह से बैंकों में छुट्टी रहेगी। हफ्ते में तीन दिन बैंक बंद होने की वजह से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। एटीएम में नकदी की किश्त हो सकती है, इसलिए ऐहतियातन आप पहले से नकदी निकालकर अपने पास रख सकते हैं। इस दौरान डिजिटल ट्रॉजेंशन से भी लेनदेन कर सकते हैं।

ऐसे बनाएं गोभी का पराठा

सर्दियों में स्टपड पराठे खाना का अलग ही मजा होता है लेकिन इसे बनाना हर किसी के बस की बात नहीं। स्टफिंग से लेकर आटे को गुंथने का भी अलग तरीका होता है। तो जानते हैं सीक्रेट रेसिपी। सामग्री- गेहूं का आटा- 5-6 बड़े कप, गोभी- 250 ग्राम, जीरा- द चम्मच, धनिया पाउडर- डू चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- द चम्मच से थोड़ा कम, गरम मसाला-1/4 छोटी चम्मच, अमचूर- द चम्मच, अदरक-1/2 टुकड़ा (कहूकस किया हुआ), हरा धनिया- 1 टेबिल स्पून(बारीक कटा हुआ), हरी मिर्च -1 बारीक कटी हुई, नमक- डू सेंकने के लिए विधि- फूल गोभी बड़े टुकड़े



करके अच्छी तरह धो लें। और इन्हें कहूकस कर लें। अब आटे में तेल और नमक मिलाकर पानी की मदद से नरम आटा गूथ लें। और 20 मिनट के लिए ढक कर रख दें जिससे ये सैट हो जाए। अब कढ़ाई में तेल डाल कर गरम करें। अब इसमें जीरा डाल डालें फिर धनिया पाउडर, हरी मिर्च और अदरक डाल कर भून लें। मसाले में गोभी, अमचूर पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, नमक, गरम मसाला डालकर मिला लें। 2-3 मिनट लगातार चलाते हुए गोभी को पका लें और तैयार है आपकी स्टफिंग। अब हाथों पर थोड़ा सा तेल लगाकर इसे चिकना कर लें। और लोई बनाएं। लोई को सूखे आटे (परोथन) में लपेटकर बेलें।

शब्द सामर्थ्य-94

1. याद, स्मरण	3. अग्नि, आग	पवित्र करने वाला	6. गौ जाति का नर	8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला	10. मुस्कुराहट, तबस्सुम	11. खारा, नमक के स्वाद जैसा	14. मुख्यभाग, निचोड़	16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ	18. अद्भुत, विचित्र	21. सम्राट, बादशाह, नरेश	22. कृति, निर्माण करना, बनाना	23. बड़ी थाली	24. समूह, दल	26. एहसानमंद, कुतूहल	27. ध्वनि, सदा	28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।
---------------	--------------	------------------	------------------	------------------------------------	-------------------------	-----------------------------	----------------------	--	---------------------	--------------------------	-------------------------------	---------------	--------------	----------------------	----------------	----------------------------------

1	2	3	4	5	6	7
8	9					
10			11		12	13
14			15		16	17
		18		19	20	21
22			23			
				24	25	
26					27	
					28	

टे	द्वा	मे	द्वा	म	हा	र	त
क		ह				ज	न
	जा	न	की		क	म	नी
		त	म	क	ना		
म			त	ह	त	दा	ब
सी	मा			ला	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	वा		च
		द		घा	ल	मे	ल
	ब	द	ह	वा	स		न

सू-दोक्-94

		3				7	
9				6		3	8
	7		9		5		6
						1	9
3		8					5
	1		3		9		7
						2	7
							4
							3

नियम
1. कुल 81 वर्ग हैं, विषमों (अब) का एक खंड बनाया है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक रखा जा सकता है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कालम और खंड में 1 से 9 तक के किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

आज का राशिफल

शेष: कम समय में अधिक लाभ पाने के विचार में आप न फसें। कोर्ट-कचहरी के मामलों से दूर रहें। एकग्रता कम रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धन सम्बंधित लेन-देन में सावधानी बरतें।
शुभ: गृह एवं सतान सम्बंधी शुभ समाचार आप को मिलेंगे। व्यावसायिक एवं आर्थिक रूप से लाभ होगा। दोपहर बाद संभलकर चलें। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।
मिथुन: आज का दिन अनुकूलता भरा और लाभदायी है। अधिकारीयों की कृपादि रहेगी। व्यापार में आय बढ़ने की ओर धिप गए धन की वसूली होगी। पिता और बड़ों के आशीर्वाद से लाभ होगा। आकरिभक धन लाभ होगा।
कर्क: अधिकारियों के साथ वाणी और व्यवहार में संभलकर चलें। शारीरिक रूप से अस्वस्थता और मानसिक चिंता बनी रहेगी। व्यापार में बाधा उत्पन्न होने की भी संभावना है। आर्थिक दृष्टि से लाभ होगा।
सिंह: क्रोध और वाणी पर संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मानसिक रूप से व्यथता बनी रहने की आशंका है। परिजनों के साथ कलह के प्रसंग बन सकते हैं।
कन्या: दिन का आरंभ आनंददायक रहेगा। साझेदारों के साथ भी आज संबंध अच्छे रहेंगे, दोपहर बाद कुछ परेशानी हो सकती है। रोगों के पीछे आकरिभक खर्च हो सकता है। लेकिन अत्याक्त लाभ भी मिल जायें से स्थिति संतुलित रहेगी।
तुला: आज दृढ मनोबल और आत्मविश्वास के साथ प्रत्येक कार्य को सफल बनाएंगे। गृहस्थजीवन में सुख और शांति बनी रहेगी। स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा। दोपहर बाद मनोरंजन के प्रति झुकाव बढ़ेगा।
वृश्चिक: आज आप अधिक भावुक रहेंगे। अपनी कल्पनाशक्ति से सहिष्णु-सुजन में आप नवीनता ला पाएंगे। घर के वातावरण में सुख-शांति बनी रहेगी। व्यवसाय में सफलता प्राप्त होगी और प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त करेंगे।
धनु: माता का स्वास्थ्य नरम रह सकता है। धन और प्रशिक्ष में हानि होने की आशंका है। दोपहर बाद आपके स्वभाव में भावुकता बढ़ सकती है।
मकर: मित्रों और प्रियपात्रों के साथ मुलाकात आनंददायी रहेगी। छोटे से प्रवास का आयोजन हो सकता है। भाईयों के साथ संबंधों में निकटता आएगी। धन और कीर्ति की हानि होने की आशंका है।
कुंभ: आज क्रोध और वाणी पर संयम रखें। नकारात्मक विचार मन में न आने दें, साकारात्मक बने रहें। खान-पान में संयम बरतिएंगे। दोपहर बाद वैचारिक स्थिरता के साथ अपने हथ में आए हुए कार्यों को पूर्ण कर पाएंगे। मान-सम्मान प्राप्त होगा।
मीन: दिन शुभफलदायी है। नए कार्य का शुभारंभ करने के लिए समय अनुकूल है। धार्मिक कार्यों में खर्च होगा। प्रवास और पर्यटन का योग है। धन सम्बंधी लेनदेन में सावधानी बरतने की गणेशजी की सलाह है।